कर्नाटक संगीत

माध्यमिक स्तर

सिद्धांत (242)

1

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

आईएसओ 9001 : 2000 प्रमाणित

(मा.सं.वि.मं. भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)

ए-24-25 इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201301 (उ. प्र.)

वेबसाइट : www.nios.ac.in टोल फ्री नं. - 18001809393

आभार

सलाहकार समिति

- अध्यक्ष
  रा.मु.वि.शि.सं., नोएडा
- निदेशक (शैक्षिक)
  रा.मु.वि.शि.सं., नोएडा

पाठ्यक्रम समिति

- प्रो. एम. रामनाथन
  कर्नाटक संगीत में प्रोफेसर
  (सेवानिवृत्त)
  मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई
- डॉ. आर. एन. श्रीलता
  कर्नाटक संगीत में प्रोफेसर
  गायन विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय
  मैसूर
- डॉ. नागलवनी सूर्यनारायन
  पूर्व शिक्षिका, यूनि कॉलिज
  ललित कला, मैसूर
- प्रो. राधा वंकटचलन
  कर्नाटक संगीत में प्रोफेसर (सेवानिवृत्त)
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. टी. एन. पद्मा
  प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सेवानिवृत्त)
  गायन विभाग, ललित कला,
  मैसूर
- डॉ. उषा लक्ष्मी कृष्णमूर्ति
  कर्नाटक संगीतज्ञ
  मैलापुर, चेन्नई
- प्रो. पी.बी. कन्न कुमार
  प्रोफेसर
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. टी.के.वी. सुब्रमर्ण्य
  इतिहास विभाध्यक्ष
  दिल्ली विश्वविद्यालय
  मृदंगं वादक
- प्रो. टी. आर. सुब्रमण्यं
  संगीत शास्त्रज्ञ
  अन्ना नगर, चेन्नई
- डॉ. बसन्त कृष्ण राव
  एसोसियट प्रोफेसर
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. बी. एम. जयश्री
  संगीत में प्रोफेसर
  पर्फोर्मिंग आर्ट्स विभाग
  बेंगलुरू विश्वविद्यालय
  बेंगलुरू
- श्रीमती संचिता भट्टाचार्य
  वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी एवं
  पाठ्यक्रम समन्वयक
  पर्फोगिंग आर्ट्स शिक्षा
  रा.मु.वि.शि. संस्थान, नोएडा

पाठ लेखक

- डॉ. आर. एन. श्रीलता
  कर्नाटक संगीत में प्रोफेसर
  गायन विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय
  मैसूर
- प्रो. टी.वी. मणिकंदन
  प्रोफेसर
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- प्रो. पी.बी. कन्न कुमार
  प्रोफेसर
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- डॉ. बी. एम. जयश्री
  संगीत में प्रोफेसर
  पर्फोर्मिंग आर्ट्स विभाग
  बेंगलुरू विश्वविद्यालय, बेंगलुरू
- डॉ. नागलक्ष्मी सूर्यनारायन
  पूर्व शिक्षिका, यूनि कॉलेज
  ललित कला, मैसूर
- प्रो. उन्निकृष्णन
  संकाय अध्यक्ष
  इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
  खैरागढ़, छत्तीसगढ़

संपादक मंडल

- प्रो. उन्निकृष्णन
  संकाय अध्यक्ष
  इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय
  खैरागढ़, छत्तीसगढ़
- प्रो. टी.वी. मणिकंदन
  प्रोफेसर
  कर्नाटक संगीत विभाग
  दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- विदूशि सरस्वती राजगोपालन
  सर्वोच्च ग्रेड वीणा वादक
  ऑल इंडिया रेडियो,
  दिल्ली
- प्रो. राधा व्यंकटचलन
  कर्नाटक संगीत में प्रोफेसर (सेवानिवृत्त)
  कर्नाटक संगीत विभाग, दिल्ली
  विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुवादक

- डॉ. ऋच्चा जैन,
  पूर्व सहायक प्रोफेसर
  भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

डी.टी.पी. कार्य

शिवम् ग्राफिक्स, रानी बाग दिल्ली-110034

अपने साथ दो शब्द

प्रिय शिक्षार्थी

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के माध्यमिक स्तर पर कर्नाटक संगीत के पाठ्यक्रम में आपका स्वागत है। और आशा करते कि आप मुक्त तथा दूरस्थ विद्यालयी शिक्षा प्रणाली को पसंद करेंगे। संगीत, लय तथा ताल के माध्यम से आपने भावों को प्रकट करने का एक रोचक माध्यम है। यह पाठ्यक्रम हिंदुस्तानी संगीत की गहरी दृष्टि प्रदान करेगा तथा इसके मूलभूत के साथ व्यक्तित्व की उन्नति में सहायक होगा। संगीत के इस पाठ्यक्रय में सिद्धांत तथा प्रयोग शामिल होगा और सिद्धांत के लिए 40 अंक तथा प्रयोग के लिए 60 अंक रखे गए हैं। पाठ्यक्रम विशेष रूप से आपके लिए बनाया गया हैं जो सहजता से समझते योग्य है। इसे छह स्वतंत्र भागों में विभाजित किया गया है। इस पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक तथा प्रयोगिक पक्षों का ज्ञान होगा, जिसमें संगीत एवं भारतीय तकनीकी शब्दावली पर विशेष बल दिया गया है। साथ आप इसमें अलग-अलग संगीतज्ञों तथा उनके संगीत के क्षेत्र में अवदान के विषय में जानेंगे। ये आपको संगीत संबंधी अलग-अलग बंदिशों को समझने में सहायक है। शास्त्रीय तथा सुगम संगीत के समन्वय से आप शास्त्रीय सुगम संगीत तथा ताल, अलंकार को समझ सकेंगे। प्रायोगिक संगीत की कक्षाएं आपके अध्ययन केन्द्र पर लिए जाएँगी।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मा.सं.वि.मं.) द्वारा स्थापित स्वयं प्लेटफॉर्म के अंतर्गत ''मूक्स'' (मॉसीव ओपन ऑनलाईन कोर्स) को स्थापित करने में संस्थान को विशेष खुशी है। अनेक विषयों में माध्यमिक स्तर के विषयों का पाठ्यक्रम वीडियो तथा वार्तालाप के माध्यम से स्वयं के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। आप www.swayam.gov वेबसाइट पर जाकर नामांकन कर सकते हैं।

एनआईओएस सभी शैक्षिक वीडियो को (24x7) मा.स.वि. मंत्रालय द्वारा स्थापित स्वयंप्रभा डी.टी.एच. चैनल पर (2027 से 2032) तथा डीटीएच सजीव प्रसारण दोपहर 3.00 से सायं 5.00 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार प्रस्तुत करता है)।

हम आशा करते है कि आप हमारे साथ कर्नाटक संगीत सीखने में खुशी महसूस करेंगे। इस सम्बन्ध में हम आपके सुझावों को आमंत्रित करते हैं। कृपया संलग्न फॉर्म में आपने सुझाव दीजिए।

शुभकामनाओं सहित।

पाठ्यक्रम समन्वय समिति

अपने पाठ कैसे पढ़ें

हिन्दुस्तानी संगीत विषय के सिद्धांत की इस पाठ्य सामग्री को विशेष रूप से आपकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्मित किया गया है। आप स्वतंत्र रूप से स्वयं पढ़ सकें इसलिए इसे एक प्रारूप में ढाला गया है। निम्नलिखित संकेत आपको सामग्री का सर्वोत्तम उपयोग करने का तरीका बताएंगे। दिए गए पाठों को कैसे पढ़ना है, आइए जानें–

पाठ का शीर्षक : इसे पढ़ते ही आप अनुमान लगा सकते है कि पाठ में क्या दिया जा रहा है। इसे पढ़िए।

भूमिका : यह भाग आपको पूर्व जानकारी से जोड़ेगा और दिए गए पाठ की सामग्री से परिचित कराएगा। इसे ध्यानपूर्वक पढ़िए।

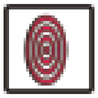

उद्देश्य : प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप इस पाठ के उद्देश्यों को प्राप्त करने में समर्थ हो जाएंगे। इन्हें याद कर लीजिए।

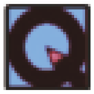

पाठगत प्रश्न : इसमें एक शब्द अथवा एक वाक्य में पूछे गए प्रश्न हैं तथा कुछ वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। ये प्रश्न पढ़ी हुई इकाई पर आधारित हैं। इनका उत्तर आपको देते रहना है। इसी से आपकी प्रगति की जाँच होगी। ये सवाल हल करते समय आप हाथ में पेंसिल रखिए और जल्दी-जल्दी सवालों के समाधान ढूँढ़ते रहिए और अपने उत्तरों की जाँच पाठ के अंत में दी गई उत्तरमाला से मिलाइए। उत्तर ठीक न होने पर इकाई को पुनः पढ़िए।

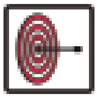

आपने क्या सीखा : यह पूरे पाठ का संक्षिप्त रूप है-कहीं यह बिंदुओं के रूप में है, कहीं आरेख के रूप में तो कहीं प्रवाह चार्ट के रूप में। इन मुख्य बिंदुओं का स्मरण कीजिए। यदि आप कुछ अपने मतलब की मिलती-जुलती नई बातें जोड़ना चाहते हैं तो उन्हें भी वहीं बढ़ा सकते हैं।

पाठांत प्रश्न : पाठ के अंत में दिए गए लघु उत्तरीय तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। इन्हें आप अलग पृष्ठों पर लिखकर अभ्यास कीजिए। यदि चाहें तो अध्ययन केंद्र पर अपने शिक्षक या किसी उचित व्यक्ति को दिखा भी सकते हैं और उन पर नए विचार ले सकते हैं।

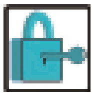

उत्तरमाला : आपको पहले ही बताया जा चुका है इसमें पाठगत प्रश्नों और क्रियाकलापों के उत्तर दिए जाते हैं। अपने उत्तरों की जाँच इस सूची से कीजिए।

शब्दावली: पाठों में आए कठिन शब्दों को प्रत्येक पाठ के अंत में दिया गया है। इन शब्दों की व्याख्या स्वयं करें।

विषय-सूची

क्र.सं.	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय संगीत का उद्गम एवं विकास	1
2.	कर्नाटक संगीत की मुख्य धारणायें	14
3.	प्रमुख रचयिताओं की जीवनियाँ	30
4.	अभ्यास गान का परिचय (सरली वरीसई से स्वरजाति तक)	39
5.	सभा गान का परिचय	54
6.	भारतीय वाद्यों का सामान्य वर्गीकरण (तानपुरा बजाने की तकनीक और बनावट का विस्तृत अध्ययन)	67
7.	कर्नाटक संगीत की स्वर लिपि पद्धति	79
	(i) पाठ्यक्रम	(i–v)
	(ii) प्रश्न पत्र का प्रारूप	(vi–vii)
	(iii) नमूना प्रश्नपत्र	(viii–ix)
	(iv) अंक योजना	(x–xiv)